अध्यात्मिक सर्किट से चमकेगा यूपी टूरिजम

Premshanker.Mishra
@timesgroup.com

लखनऊ : बिजनौर की महाभारतकालीन विदुरकुटी से कानपुर देहात स्थित वाल्मीकि एवं लव-कुश आश्रम तक के उद्धार का पर्यटन विभाग ने खाका तैयार कर लिया है। प्रदेश में 90 ऐसे स्थलों को पर्यटन के नक्शे पर चमकाने की योजना है जो स्थानीय स्तर पर धार्मिक एवं पौराणिक आख्यानों से जुड़े होने के चलते चर्चित तो हैं लेकिन रख-रखाव न होने के चलते उपेक्षित हैं। इन स्थलों पर सौंदर्यीकरण, जन सुविधाओं का विकास कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने पर्यटन के विकास के लिए पूरे देश को सर्किट में बांटकर योजनाएं बनाई हैं। इसमें स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत धार्मिक आधार पर कृष्ण, रामायण, बुद्ध और जैन सर्किट का खाका खींचा गया था। कृष्ण सर्किट, रामायण सर्किट और बौद्ध सर्किट के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के धार्मिक महत्व के पहले से ही चर्चित स्थानों को योजना का हिस्सा बना लिया गया। इसके बाद भी कई जिलों में कई ऐसे स्थल हैं जिनकी स्थानीय स्तर पर मान्यता है लेकिन उनके विकास की कोई योजना नहीं थी। इन्हें भी योजना में शामिल करने के लिए एक नई कैटिगरी अध्यात्मिक सर्किट के रूप में तय की गई है, इसमें बचे हुए स्थल शामिल किए जाएंगे।

संवारे जाएंगे प्रदेश के 90 धार्मिक स्थल

हिंदू धार्मिक स्थलों पर जोर : योजना में शामिल किए गए ज्यादातर स्थल हिंदू धार्मिक मान्यताओं से जुड़े हुए हैं। इनके विकास के करीब 139 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। जिन क्षेत्रों के स्थल इसमें शामिल हैं उसमें मेरठ, कानपुर, कानपुर देहात, बांदा, गाजीपुर, सलेमपुर, घोसी, बलिया, अंबेडकरनगर, अलीगढ़, फतेहपुर, देवरिया, महोबा, सोनभद्र, चंदौली, मिश्रिख, भदोही, अलीगढ़, कासगंज, उन्नाव, प्रतापगढ़, कौशांबी, मीरजापुर, गोरखपुर, डुमरियागंज, बस्ती, बाराबंकी, आजमगढ़, कैराना, बागपत, शाहजहांपुर शामिल हैं। इन चयनित स्थलों पर लाइटिंग, पथ-वे, जनसुविधाओं का विकास, लैंडस्केपिंग, सोलर लाइटिंग, बेंच, रेन शेल्टर, बाउंड्री वॉल, पार्क जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। पुरातात्विक महत्व के स्थलों पर म्यूजियम विकसित करने व धरोहरों के संरक्षण का भी काम होगा। वहीं नदी के किनारों के स्थलों पर घाटों का सौंदर्यीकरण और विकास होगा। पर्यटन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सभी चयनित स्थलों के जमीन के चयन से लेकर उनके कागजात के दुरुस्त करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। आर्थिक आवंटन हो चुका है। जल्द काम शुरू हो जाएगा।

योजना में खास

- 30 जिलों के 90 स्थलों का सौंदर्यीकरण
- 139 करोड़ रुपये किए गए हैं मंजूर
- सौंदर्यीकरण के साथ ही जन सुविधाओं का भी होगा विकास
- दिसंबर 2018 तक कार्य पूरा करने का लक्ष्य
- यूपी पर्यटन विभाग होगा नोडल एजेंसी

सांसदों की सक्रियता से तेजी

धार्मिक व पौराणिक महत्व के स्थलों के चयन में सांसदों की सक्रियता की अहम भूमिका रही। चूंकि प्रदेश के 80 में 73 सांसद बीजेपी व उसके सहयोगी दलों के है इसलिए इक्का-दुक्का जिलों को छोड़कर बीजेपी के सांसदों की उपस्थित हर जिलों में है। उन्होंने अपने यहां के अहम स्थलों के विकास का प्रस्ताव केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय को भेजा था। अपनी सरकार होने के नाते अधिकतर प्रस्तावों को स्वीकार होने में कोई दिक्कत नहीं आई। यह प्रस्ताव तभी दिए गए थे जब प्रदेश में सपा की सरकार थी। केंद्र व प्रदेश के बीच खींचतान के चलते इन प्रस्तावों पर मंजूरी होने के बाद भी काम नहीं शुरू हो सका। केंद्र से धनावंटन को लेकर भी रार होती रही। अब सरकार बदलने के बाद इन प्रस्तावों को जमीन पर उतारने का काम तेज हो गया है।

बाराबंकी में इन स्थलों का सौंदर्यीकरण

बाबा टीकाराम तपस्थली	₹2.08 करोड़
सिद्धेश्वर महादेव मंदिर	₹84 लाख
लोढ़ेश्वर महादेव मंदिर	₹56.43 लाख
महादेव तालाब	₹98.53 लाख
सुमली नदी घाट	₹1.65 करोड़
मुन्नी दास बाबा मंदिर	₹45.30 लाख
पारिजात वृक्ष	₹26.09 लाख
भगौली तीर्थ	₹38.20 लाख
कुंतेश्वर महादेव मंदिर	₹29.94 लाख
कोटवा धाम	₹54.39 लाख
सनेश्वर मंदिर	₹20.06 लाख